

## Das "SCHILFMEER"

### Herkunft, Bedeutung und Funktion eines alttestamentlichen Exodusbegriffs

|  |    |
|--|----|
| 1. KAPITEL: Einführung                             | 1  |
| 1.1 Problemaufriß                                  | 1  |
| 1.2 Forschungsgeschichtlicher Überblick            | 3  |
| 1.2.1 Geographische Ansätze                        | 5  |
| 1.2.2 Mythologische Ansätze                        | 17 |
| 1.2.3 Zusammenfassung                              | 19 |
| 2. KAPITEL: Wortanalysen                           | 21 |
| 2.1 ים־סוף   | 21 |
| 2.1.1 Etymologie                                   | 21 |
| 2.1.2 Vorkommen, Verwendung, Bedeutung             | 26 |
| 2.2 ים   | 31 |
| 2.2.1 Etymologie                                   | 31 |
| 2.2.2 Vorkommen, Verwendung, Bedeutung             | 32 |
| 2.3 Weitere Begriffe                               | 40 |
| 2.3.1 תהום   | 40 |
| 2.3.2 מים  | 42 |
| 2.3.3 מצולה  | 44 |
| 2.3.4 נזלים  | 45 |
| 2.4 Zusammenfassung                                | 46 |
| 3. KAPITEL: Textanalysen zum Exodusterminus ים־סוף | 47 |
| 3.1 Methodische Vorbemerkungen                     | 47 |
| 3.2 Der Ausgangstext Ex 13,17-14,31                | 57 |
| 3.2.1 Text- und literarkritische Beobachtungen     | 58 |
| 3.2.2 Texthypothese (Überblick)                    | 81 |

|                |   |     |
|----------------|---|-----|
| 3.2.3          | Literarische Zuweisung                                  | 89  |
| 3.2.3.1        | Die jahwistische Grundschrift                           | 90  |
| 3.2.3.2        | Die jehowistische Fortschreibung                        | 99  |
| 3.2.3.3        | Die priesterschriftliche Grundschrift                   | 116 |
| 3.2.3.4        | Die nachpriesterschriftliche Fortschreibung             | 118 |
| 3.2.4          | Interpretationsansätze                                  | 120 |
| 3.2.4.1        | Grundschrift J  | 120 |
| 3.2.4.2        | Fortschreibung JE                                       | 122 |
| 3.2.4.3        | Grundschrift P  | 125 |
| 3.2.4.4        | Fortschreibung R <sup>P</sup>                           | 130 |
| 3.3            | Die weiteren Texte                                      | 134 |
| 3.3.1          | Belege im Pentateuch                                    | 134 |
| 3.3.1.1        | Ex 15,22  | 134 |
| 3.3.1.2        | Dtn 11,4  | 138 |
| 3.3.2          | Belege im DtrGW   | 150 |
| 3.3.2.1        | Jos 2,10  | 150 |
| 3.3.2.2        | Jos 4,23  | 156 |
| 3.3.2.3        | Jos 24,6  | 159 |
| 3.3.2.4        | Abschließende Bemerkungen                               | 166 |
| 3.3.3          | Neh 9,9   | 168 |
| 3.3.4          | Belege im Psalmenbuch                                   | 171 |
| 3.3.4.1        | Ps 106,7.9.22   | 172 |
| 3.3.4.2        | Ps 136,13.15  | 178 |
| 3.3.5          | Ex 15,4   | 181 |
| <i>Exkurs:</i> | יַם־סוּף als Exodusgewässer                             | 185 |
| 4.             | KAPITEL: Textanalysen zum Nicht-Exodusterminus יַם־סוּף | 190 |
| 4.1            | יַם־סוּף im Kontext der ägyptischen Plagen - Ex 10,19   | 190 |
| 4.2            | יַם־סוּף in den Itineraren der Wüstenwanderung          | 195 |
| 4.2.1          | Num 14,25; 21,4; Dtn 1,40; 2,1                          | 199 |
| 4.2.2          | Num 33,10f.   | 206 |
| 4.2.3          | Ri 11,16  | 213 |
| 4.3            | יַם־סוּף als Teil des Landes                            | 218 |
| 4.3.1          | 1 Kön 9,26  | 218 |
| 4.3.2          | Ex 23,31  | 220 |

---

|  |     |
|--|-----|
| 4.3.3 Jer 49,21                          | 223 |
| 4.4 Zusammenfassung                      | 226 |
| 5. KAPITEL: Ergebnis                     | 228 |
| 5.1 Auswertung                           | 228 |
| 5.2 Perspektiven                         | 234 |
| Anhang: Karten                           | 235 |
| Literaturverzeichnis                     | 241 |
| Verzeichnis der behandelten Bibelstellen | 259 |